सदन में चोर

असग़र वजाहत

सदन में चोर

(1)

सदन में शोर हो रहा था। कान में पड़ी आवाज भी नहीं सुनाई दे रही थी। लगता था जैसे करोड़ों लोग एक साथ चीख रहे हों। वैसे सदन के अंदर सभी सदस्य चुप थे। सदन भवन के दरवाजे और खिड़कियां बंद थीं। एक-एक छेद को सील कर दिया था, पर रोने जैसा शोर लगातार अंदर आ रहा था। सब परेशान थे कि यही होता रहा तो सदन की कार्यवाही कैसे चलेगी? इतने में प्रधानमंत्री आए और बोले—आप लोगों की समझ में इतनी छोटी-सी बात नहीं आ रही है कि कानों में सरसों का तेल डाल लें?

(2)

सदन की कैंटीन में एक सदस्य अपने मुंह में मुर्गे की टांग ले गया तो ऐसा लगा जैसे किसी पेड़ की जड़ चबा रहा हो। वह घबराया और मुर्गे की टांग लेकर सीधा स्पीकर के पास पहुंचा। वहां भीड़ लगी थी। कुछ सांसद कह रहे थे कि उन्हें सदन की कैंटीन में दिए गए गेहूं के नरम-नरम फुल्के जौ-चने की रोटी जैसे लग रहे हैं। कोई शिकायत कर रहा था कि बिरयानी पतली खिचड़ी जैसी लग रही है। चिकन मसाला महुए की लपसी जैसा हो गया था।

स्पीकर को ध्यान आया कि सदन देश में पड़े सूखे और अकाल से हुई मौतों की चर्चा कर रही है। स्पीकर को लगा कि उसके भी गले में कुछ फंस रहा है। वह घबरा गया और सदन की कार्यवाही स्थगित करने का आदेश दे दिया।

(3)

सदन में एक नया मामला सामने आया। एक सदस्य ने सदन में अपनी जगह अपने ड्राइवर को बैठा दिया था। पांच साल तक तो यह रहस्य न खुला पर अगले सदन में पता चल गया। स्पीकर ने जब ड्राइवर से पूछा कि वह सदन में क्यों बैठा है तो वह बोला कि चुनाव भी उसी ने लड़ा था। जीता भी वही था। एक बार वह उप-राजमंत्री भी रह चुका है। छः बार उसने दल भी बदला है लेकिन यह सच है कि वह सदस्य का ड्राइवर है।

अब कोई कारण न था कि सदस्य के ड्राइवर को सदस्य न मान लिया जाता।

(4)

सदन में कोरम पूरा नहीं था। अधिकतर सदस्य जिनकी खुराक अच्छी थी सदन की कैंटीन में थे। कैंटीन में घटियां बज रही थीं कि सदस्य सदन में आ जाएं पर सदस्य नहीं जा रहे थे। तब स्पीकर ने कैंटीन में ही सदन की कार्यवाही चालू करवा दी।

सभी बिल पास हो गए। हर बिल पास होते वक्त सदस्यों के मुंह में कुछ-न-कुछ था।

(5)

सदन में प्रधानमंत्री का बयान : सरकार मानती है कि टेप में केंद्रीय मंत्री श्री रा.का. को उनके कार्यालय में घूस लेते दिखाया गया है। सरकार मानती है कि कार्यालय श्री रा.का. का ही है। जिस कुर्सी पर श्री रा.का. बैठे हैं वह मंत्री की कुर्सी है। मेज की जिस दराज में नोटों की गड्डिया रखी जा रही हैं वह श्री रा.का. की मेज की दराज है। लेकिन वे हाथ जो मेज की